# प्रतिदर्श प्रश्न पत्र—2024—25

## कक्षा—12

## विषय : सामान्य हिन्दी

**समय : तीन घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक : 100**

**नोटः—** (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) इस प्रश्न में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

### (खण्ड—क)

प्र0—1 (क) 'शिक्षा का उद्देश्य' निबन्ध के लेखक हैं— 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द (ii) सम्पूर्णानन्द

(iii) मोहन राकेश (iv) रामकृष्ण दास

(ख) लल्लू लाल की रचना हैः 1

(i) सुख सागर (ii) प्रेम सागर

(iii) परीक्षा गुरू (iv) रानी केतकी की कहानी

(ग) 'परदा' कहानी के लेखक हैंः 1

(i) प्रेमचन्द (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) अमरकान्त (iv) यशपाल

(घ) 'आवारा मसीहा' के रचनाकार हैंः 1

(i) विष्णु प्रभाकर (ii) रामवृक्ष बेनीपुरी

(iii) राहुल सांकृत्यायन (iv) रांगेय राघव

(ङ) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक हैंः 1

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) सरदार पूर्ण सिंह

(iii) वासुदेव शरण अग्रवाल (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्र0—2 (क) 'कामायनी' किस युग की रचना है— 1

(i) द्विवेदी युग (ii) छायावादी युग

(iii) भारतेन्दु युग (iv) प्रगतिवाद युग

(ख) निम्नलिखित कवियों में से कौन प्रगतिवादी युग का है— 1

(i) अग्रदास (ii) तुलसीदास

(iii) नन्ददास (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ग) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष हैः 1

(i) 1941 ई0 (ii) 1943 ई0

(iii) 1954 ई0 (iv) 1947 ई0

(घ) द्विवेदीयुग की रचना नहीं है— 1

(i) प्रियप्रवास (ii) साकेत

(iii) भारत—भारती (iv) कामायनी

(ङ) 'अष्टछाप' के कवियों का सम्बन्ध है, भक्तिकाल की— 1

(i) रामभक्ति शाखा से (ii) ज्ञानाश्रयी शाखा से

(iii) प्रेमाश्रयी शाखा से (iv) कृष्णभक्ति शाखा से

प्र0–3 दिये गये गद्यांश आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 5×2=10

धरती माता की कोख में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं, जिनके कारण वह वसुन्धरा कहलाती है उससे कौन परिचित न होना चाहेगा? लाखों करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है। दिन रात बहने वाली नदियों ने पहाड़ों को पीस–पीस कर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है। हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के लिए इन सबकी जांच–पड़ताल अत्यन्त आवश्यक है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) धरती बसुन्धरा क्यों कहलाती हैं?
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iv) पृथ्वी की देह को किसने सजाया है?
(v) भावी आर्थिक अभ्युदय हेतु हमें क्या करना चाहिए?

अथवा

अशोक का फूल उसी मस्ती में हंस रहा है। पुराने चित्त से इसे देखने वाला उदास होता है। वह अपने को पण्डित समझता है। पंडिताई भी एक बोझ है– जितनी ही भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबोती है। जब वह जीवन का अंग बन जाती है तो सहज हो जाती है तब वह बोझ नहीं रहती। वह उस अवस्था में उदास भी नहीं करती। कहाँ! अशोक का कुछ भी तो नहीं बिगड़ा है। कितनी मस्ती में झूम रहा है? कालिदास इसका रस ले सके थे– अपने ढंग से। मैं भी ले सकता हूँ, अपने ढ़ंग से। उदास होना बेकार है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) लेखक क्यों कहता है कि उदास होना बेकार है।
(iv) गद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए?
(v) गद्यांश की भाषा–शैली की विशेषताएँ लिखिए।

प्र0–4 दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5×2=10

"दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर, अबलाजन के लिए कौन–सा पथ है?
यदि मैं उकसाई गयी भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो।
पाओ यदि उसमें सार उसे सब चुन लो।
करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ?"

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(iii) 'करके पहाड़–सा पाप मौन रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ?"
पंक्तियों में कौन–सा अलंकार है।
(iv) पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।
(v) भाषा की विशेषताएँ बताइए।

www.evidyarthi.in

अथवा

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत वसना तो न तू सुन्दरी को।।
<u>जो थोड़ी सी श्रमिक वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।</u>
<u>होठों की औ कमल–मुख की म्लानताएं मिटाना।।</u>

कोई क्लान्ता कृषक–ललना खेत में जो दिखावै।
जाता कोई जलद यदि हो ब्योम में तो उसे ला।
धीरे–धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना।।
छाया द्वारा सुखित करना तप्त भूतागंना को।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) राधा लज्जा शील पथिक महिला के विषय में क्या कहना चाहती हैं?
(iv) ''होठों की औ कमल–मुख'' में अलंकार बताइए।
(v) 'जलद' और 'कृषक–ललना' का अर्थ बताइए।

प्र0–5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– (शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2=5

(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(ii) ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम
(iii) बासुदेव शरण अग्रवाल ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिएः (शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2= 5

(i) मैथिली शरण गुप्त
(ii) सुमित्रानन्दन पंत
(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'।

प्र0–6 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये। 5
(शब्द सीमा अधिकतम–80)

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

प्र0–7 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।
(शब्द सीमा अधिकतम –80) 5

(i) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र– चित्रण कीजिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कथावस्तु लिखिए।

(iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(v) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसका चरित्र– चित्रण कीजिए

अथवा

'आलोकवृत्त' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रोपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

## खण्ड–'ख'

प्र0–8 (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संसदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

2+5=7

महामना विद्वान वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चगुण जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाम्यञ्च अकरोत। प्राणिसेव अस्य स्वभाव एवासीत्।

अथवा

हंसराजः तदैव परिष–मध्य आत्मनः भागिनेपाप हंसपोतकाय दुहितरमक्षत्। मयूरो हंसपोतिकायप्राप्य लज्जितः। तस्मात! स्थानात् पलायितः हंसराजोऽपि ह्रष्टमानसः स्वगृहम् अगच्छत्।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिएः

2+5= 7

नमे रोचते भद्रं वः उलूकस्यामिवेचनम्।<br>
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं कुद्धो भविष्यति।।

अथवा

परोक्षेकार्य हत्तारं प्रत्यक्षेप्रियवादिनम्।<br>
वर्जयेत्तादृशं मित्र विषकुम्भं पयोमुजम्।।

प्र0–9 निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिएः

1+1=2

(i) तलवार की धार पर चलना

(ii) टका सा जवाब देना

(iii) दाल में काला होना

(iv) नमक मिर्च लगाना

www.evidyarthi.in

प्र0—10 अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(क) यह कहना एक भूल है कि इच्छा, असन्तोष, लोभ आदि के कारण मनुष्य आगे बढ़ने को प्रेरित होता है तथा समृद्धि प्राप्त करता है। वास्तव में इच्छा, असन्तोष, लोभ आदि के कारण समाज में शोषण, कुटिलता, अत्याचार, भोगवृत्ति एवं अशान्ति को प्रोत्साहन मिला है। लोभ के कारण एक मिल खोलकर शोषण की चक्की चलाई जाती है। हमें इच्छाओं का दमन नहीं करना है, बल्कि उनका उदात्तीकरण करना है, शमन करना है, उन्हें स्वस्थ दिशा देने है। सत्पुरुष कर्तव्य भावना से प्रेरित होते हैं आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करते हैं एवं निस्वार्थ तथा इच्छामुक्ति होकर भी धीरे–धीरे साहसपूर्वक कर्म करते हुए उन्नति को स्वतः प्राप्त होते हैं आदर्शों की कीमत पर आदर्शों को छोड़कर उन्नत पद प्राप्त करना सत्पुरुषों को शोभा नहीं देता। सत्पुरुष उज्ज्वल भविष्य के लिए योजना बनाकर प्रयत्न करते हुए महोच्च आदर्शों को आँखों से ओझल नहीं होने देते। यदि साधक पदोन्नति, धन अथवा सत्ता प्राप्त करता है दो व्यक्तिगत इच्छा की तृप्ति के लिए नहीं प्रत्युत परोपकार के लिए, मानवमात्र की सेवा के लिए, ईश्वर की प्रसन्नता के लिए। यही है इच्छाओं का उदात्तीकरण। साधक का कर्तव्य है कि अपने और समाज में भले के लिए व्यक्तिगत इच्छाओं से ऊपर उठ जाए।

1. लेखक के अनुसार इच्छा, लोभ आदि का क्या परिणाम होता है? 01
2. आदर्शों की रक्षा के लिए सत्पुरुष का क्या रुख होना चाहिए? 02
3. 'इच्छाओं का उदात्तीकरण' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 02

अथवा

नाटक प्राचीनकाल से ही कला जगत् में सर्वाधिक मनोरम और आकर्षक कला–माध्यम माना जाता रहा है। साहित्य के अन्तर्गत नाटक सबसे अधिक सुन्दर और आनन्ददायी विधा है, जिसका भव्य आयोजन करके गुणी मर्मज्ञ आनन्द का अनुभव करते हैं। यह मान्यता यद्यपि अत्यन्त प्राचीन है किन्तु आज भी इसकी सत्यता को चुनौती देना सम्भव नहीं है। नाटक के आयोजन में जो सुकुमारता और कला–सूक्ष्मता है वह आज के युग में भी सर्वश्रेष्ठ है। नाटक का शिल्पविधान और उसकी रचना की बारीकियाँ उसे एक अप्रतिम आकर्षण का विषय बना देती हैं। सबसे प्रमुख बात तो यह है कि नाटक का शिल्प– विधान एक सामूहिक विधान है जिसमें नाटककार के साथ–साथ निदेशक तथा विभिन्न अभिनेताओं का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है। इतना ही नहीं, नाटक के इस भव्य आयोजन में हजार–हजार दर्शक समूह भी अपना महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं जिससे नाटक की मंच–प्रस्तुति निर्बाध रूप से सम्पन्न होती है। इन सबके समवेत प्रयास तथा समवेत प्रतिभा के योग से ही नाटक की प्रस्तुति सम्भव होती है। यह सही है कि कला की सबसे जीवन्त और सार्थक भूमिका नाटक ही निभाता है क्योंकि वह व्यापक रूप से जनचेतना का अंग और बहुत हद तक उसका प्रतिरूप है।

1. अप्रतिम, मंच प्रस्तुति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 01
2. नाटक को सामूहिक विधान क्यों कहा है? 02
3. किन के समवेत प्रयास से नाटक की प्रस्तुति सम्भव होती है? 02

प्र0—11 निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिएः

(i) वसन – व्यसन 1

(A) विवश और व्याकुल
(B) कवच और भोजन
(C) वस्त्र और आदत
(D) विस्तार और अवधि

(ii) अम्बुज – अम्बुद 1

(A) बादल और समुद्र
(B) जल और कमल
(C) कमल और बादल
(D) समुद्र और कमल।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: 1+1=2

(i) अम्बर
(ii) पट
(iii) विधि
(iv) नाग

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए: 1

(i) जो आँखों के सामने हो–
(A) नेत्र सम्मुख
(B) प्रत्यक्ष
(C) आँख के आगे
(D) प्रत्येक आँख

(ii) 'जानने की इच्छा' रखने वाला 1
(A) जानकार
(B) ज्ञानी
(C) जिज्ञासु
(D) बुद्धिमान।

(घ) निम्नलिखित में से किन्ही दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: 1+1 =2

(i) तुम तो कुर्सी पर बैठे हैं।
(ii) इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं।
(iii) सम्मेलन में कवियित्री ने भाग लिया है।
(iv) कृपया अनुमोदन करने की कृपा करें।

प्र0–12 (क) 'वीर रस' अथवा 'हास्य रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1 = 2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

1+1 = 2

प्र0–13 बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक प्रबन्धक को आवेदन/प्रार्थना पत्र लिखिए।

2+4 =6

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवेदन पत्र/प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्र0–14 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए।

2+7 =9

(i) देश में बेरोजगारी की समस्या
(ii) आतंकवाद की समस्या और समाधान
(iii) वृक्षारोपण का महत्व
(iv) विद्यार्थी और राजनीति
(v) देश की समृद्धि और विकास में समाचार–पत्रों की भूमिका।

www.evidyarthi.in